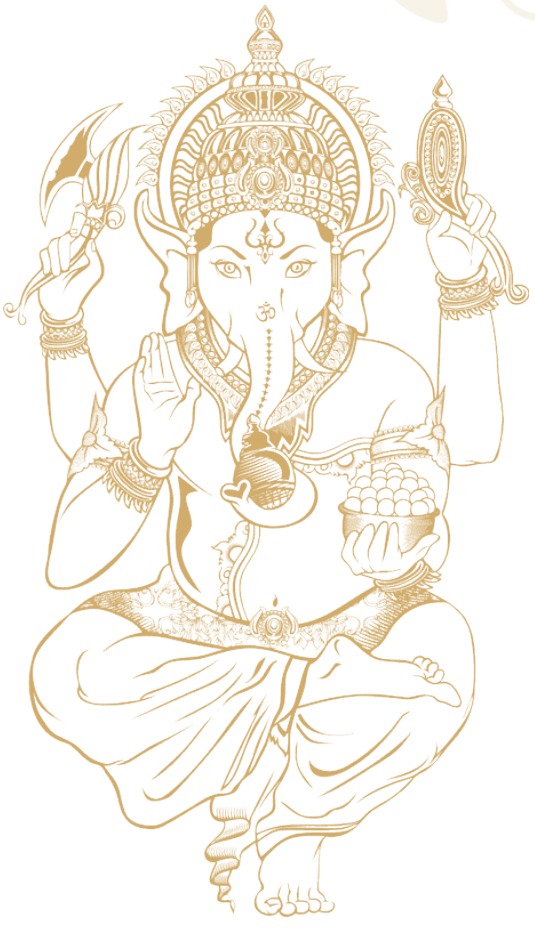

Kaustubh Gaurh

Niharika Sharma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119018203

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/10/1993	जन्म तिथि	15-16/11/1994
मंगलवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 19:08:00	जन्म समय	02:00:00 घंटे
घटी 32:30:56	जन्म समय(घटी)	48:31:15 घटी
India	देश	India
Rudrapur	स्थान	Hardwar
28:58:24 उत्तर	अक्षांश	29:58:00 उत्तर
79:24:22 पूर्व	रेखांश	78:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:12:23	स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:07:37	सूर्योदय	06:42:15
17:54:49	सूर्यास्त	17:21:33
23:46:27	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:18

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 9वर्ष 4मा 5दि	14:55:50	मेष	लग्न	सिंह	27:47:51	केतु 5वर्ष 4मा 8दि
राहु	18:33:10	कन्या	सूर्य	तुला	29:27:43	सूर्य
09/02/2010	10:52:09	वृष	चंद्र	मेष	03:07:48	25/03/2020
10/02/2028	11:58:25	तुला	मंगल	कर्क	27:19:06	26/03/2026
राहु 23/10/2012	12:06:13	तुला	बुध	तुला	13:50:45	सूर्य 13/07/2020
गुरु 18/03/2015	28:29:32	कन्या	गुरु	वृश्चि	01:00:41	चन्द्र 11/01/2021
शनि 22/01/2018	23:19:43	सिंह	शुक्र व	तुला	09:57:54	मंगल 19/05/2021
बुध 11/08/2020	00:17:12	कुंभ व	शनि	कुंभ	11:55:40	राहु 13/04/2022
केतु 29/08/2021	10:21:20	वृश्चि	राहु	तुला	21:03:33	गुरु 30/01/2023
शुक्र 29/08/2024	10:21:20	वृष	केतु	मेष	21:03:33	शनि 12/01/2024
सूर्य 24/07/2025	24:28:53	धनु	हर्ष	धनु	29:26:09	बुध 18/11/2024
चन्द्र 22/01/2027	24:36:36	धनु	नेप	धनु	27:19:07	केतु 25/03/2025
मंगल 10/02/2028	00:02:22	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	03:59:43	शुक्र 26/03/2026

लग्न-चलित

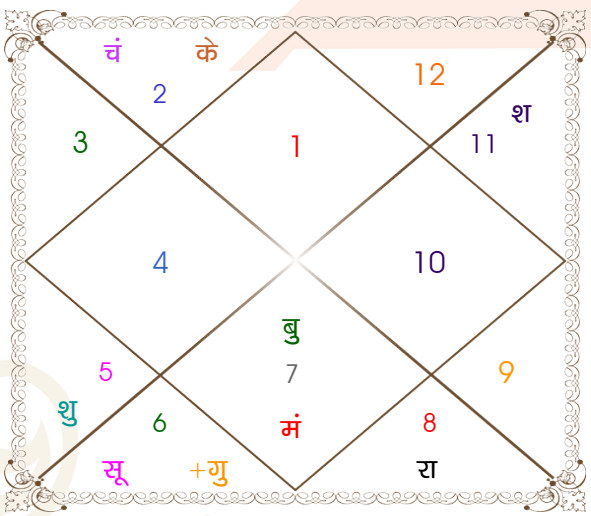

लग्न-चलित

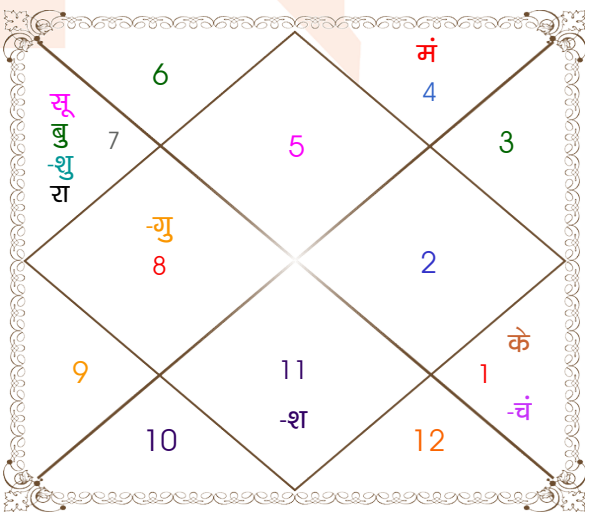

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Kaustubh Gaurh का वर्ग गरूड़ है तथा छर्पीतपार्ौतउं का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Kaustubh Gaurh और छर्पीतपार्ौतउं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Kaustubh Gaurh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

छर्पीतपार्ौतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल छर्पीतपार्ौतउं कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल छर्पीतपार्ौतउं कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि छर्पीतपार्ौतउं कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु छर्पीतपार्ौतउं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Kaustubh Gaurh कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Kaustubh Gaurh तथा छर्पीतपार्ौतउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।